

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
ABHYAAS MAINS

निबंध
ESSAY

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: **Three Hours**

टेस्ट कोड/ Test Code : 2488

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 32+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए तीन खाली पृष्ठ (पृष्ठ संख्या. 30-32) दिए गए हैं।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-cum-Answer (QCA) Booklet contains 33+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

Three blank pages (Page Nos. 30–32) have been provided for rough work.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 1217762

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : Animesh Pradhan

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

English

तारीख
Date

25/08/2023

निबंध
ESSAY

केंद्र
Centre

Delhi - 03

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

	<p style="text-align: center;">महत्वपूर्ण अनुदेश</p> <p>उम्मीदवार को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवार को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द, आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।</p>	<p style="text-align: center;">Important Instructions</p> <p>Candidate should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.</p>
1	<p>(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें।</p> <p>(ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।</p>	<p>(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates.</p> <p>(b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet</p>
2	<p>अपनी क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।</p>	<p>Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.</p>
3	<p>परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।</p>	<p>Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.</p>
4	<p>उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।</p>	<p>Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.</p>
5	<p>उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।</p>	<p>Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.</p>
6	<p>प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।</p>	<p>Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.</p>
7	<p>प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।</p>	<p>Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.</p>
8	<p>यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।</p>	<p>If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.</p>



VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
ABHYAAS MAINS

निबंध

निर्धारित समय: तीन घंटे

टेस्ट कोड : 2488

अधिकतम अंक: 250

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों पर अंक नहीं दिए जाएँगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ व पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

ESSAY

Time Allowed : Three Hours

Test Code : 2488

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

खंड A और B प्रत्येक से एक-एक विषय चुनकर दो निबंध लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 1000-1200 शब्दों में हो :

Write **two** essays, choosing **one** topic from each of the Sections A and B, in about 1000-1200 words each : 125 x 2 = 250

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

खण्ड – A / SECTION – A

1. टूटे हुए वयस्क की मरम्मत करने की तुलना में मजबूत बच्चों का निर्माण करना आसान है।
It is easier to build strong children than to repair broken men.
2. कोरा तर्कपूर्ण मन उस चाकू के समान है जिसमें केवल फलक ही फलक है, वह प्रयोग करने वाले हाथों को ही लहलुहान कर देता है।
A mind all logic is like a knife all blade, it makes the hand bleed that uses it.
3. जब कैटरपिलर को लगता है कि दुनिया खत्म हो गई, वह तितली बन जाता है।
Just when the caterpillar thought the world was over, it became a butterfly.
4. इतिहास, मनुष्य की स्मृतियों पर समय द्वारा लिखी गई एक चक्रीय कविता है।
History is a cyclic poem written by time upon the memories of man.

खण्ड – B / SECTION – B

5. बुद्धिमान व्यक्ति तुरंत वही करता है जो मूर्ख अंततः करता है।
The wise man does at once what the fool does finally.
6. दुनिया उन लोगों के लिए एक त्रासदी है जो महसूस करते हैं, लेकिन उन लोगों के लिए एक कॉमेडी है जो विचार करते हैं।
The world is a tragedy to those who feel, but a comedy to those who think.
7. पूर्ण स्पष्टता से बुद्धि को तो लाभ होगा लेकिन इच्छाशक्ति को क्षति पहुंचेगी।
Perfect clarity would profit the intellect but damage the will.
8. अपना चेहरा रोशनी की ओर रखिए और आपको कोई छाया दिखाई नहीं देगी।
Keep your face to the sunshine and you cannot see a shadow.

P. T. O.

खण्ड - A / SECTION - A

1. टूटे हुए वयस्क की मरम्मत करने की तुलना में मजबूत बच्चों का निर्माण करना आसान है।
It is easier to build strong children than to repair broken men.
2. कोरा तर्कपूर्ण मन उस चाकू के समान है जिसमें केवल फलक ही फलक है, वह प्रयोग करने वाले हाथों को ही लहलुहान कर देता है।
A mind all logic is like a knife all blade, it makes the hand bleed that uses it.
3. जब कैटरपिलर को लगता है कि दुनिया खत्म हो गई, वह तितली बन जाता है।
Just when the caterpillar thought the world was over, it became a butterfly.
4. इतिहास, मनुष्य की स्मृतियों पर समय द्वारा लिखी गई एक चक्रीय कविता है।
History is a cyclic poem written by time upon the memories of man.

2. A mind all logic is like a knife all blade, it makes the hand bleed that uses it

On a fine, yet mundane morning, while reading through the newspaper, Alfred Nobel stumbled upon his own obituary. The obituary, although was a blunder, disturbed Nobel to his core. The title read - 'the Prince of Death' is no more. The 'dynamite king' remorseful and repented for all his 'logical' achievement that had potential for catastrophe. This persuaded Nobel to embark on a journey to become 'the Prince of peace'

through his Nobel Prize Foundation that respects logic and rationality that does not bleed hands but empowers them to build a better future.

Nobel is the epitome of human civilisation - one that has evolved on the foundations of logic, rationality, scientific temper and profound intellect.

The rise of Mauryan Empire at the heartland of Pataliputra or the dominance of modern day USA is the outcome of self expression of logical power. A mind of logic symbolises rationality, knowledge, scientific expertise; imbining all qualities that fueled both Akbar & Aurangzeb, Mandela & Mugabe and Obama & Osama. But why are the 'logics' of Akbar, Mandela and Obama cherished, but not the 'letters'?

Aristotle's ideas as presented in Nicomachean ethics illustrate that human

behaviour is guided by ethos, pathos and logos.

Ethics, attitude and logic make and break a man, aligning with this thought, Swami Vivekananda says, "one needs right attitude to realise the true potential of his/her aptitude".

The inherent aptitude of humans have made us put a vehicle on moon, but also plastic in the deep oceans! All logic based mind probably won't comprehend the repercussions of polluting the oceans and beyond, until he bleeds during the anthropocene mass extinction.

LOGOS WITHOUT ETHOS - WAY TO CATASTROPHE

Adam Smith in his 'Wealth of Nations' narrates that it is not the benevolence of the butcher, baker or brewer that makes us expect our dinner, but the self interests that fuel our economy. Such self interests were given

ample freedom to grow in laissez-faire economy with the rise of capitalistic mode of production.

But as World Inequality Report suggests, about 75% of India's wealth is concentrated by top 10% of the populace, whereas the bottom half have just 2% of the resources. The mind of all logic fails to address the issues of poverty, inequality and marginalisation, but the one with ethics shall create a balance between 'planet and profit' - realised in Keynesian economics.

Germany is a case study for generations to realise the inadequacy of a mind with all logic, similar to what was discussed with laissez-faire & Keynesian economics. The rise of Germany under Bismarck, Kaiser Wilhelm and then Hitler was propelled by logical desires, scientific prowess and military supremacy, but the climax of such

उम्मीदवारों को इस हार्शिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

'logic' did not bore fruits acceptable to humankind. The same country has replaced totalitarianism with ethical democracy after crushing the 'Berlin wall', making it one of the powerful countries of contemporary geopolitics.

Not just in political milieu as illustrated in the case of Germany, but a mind of all logic has made the social animal more anti-social and less humane.

The Purushasukta hymn of Rig Veda propounds a peculiar logic justifying Varna and caste system. It narrates the origin of four castes from various organs, affirming the Brahmanical supremacy and marginalisation of Shudras.

While caste has reformed and redesigned into various shapes in modern democratic India, the logic of such discriminatory ideology makes India bleed even during Amrit Kaal!

Similar to caste system, such closed social system was the norm for women for ages. Various theories and propositions have reaffirmed gender stereotypes that believe in a 'functional model' of gender discrimination. While the country and even the world celebrates a 'logical' mind with scientific prowess, two Kuki women were victims of ethnic atrocities and gangrape in the heartland of Manipur violence. What shall the civilisation do with such a mind that seems all logical, but marred with regressive ideas?

To answer the following question, Ambedkar in his 'Grammar of Anarchy' puts forward another question. He pertinently asks, "can the countrymen put forward the collective interest before their self interest and that of creed?" To answer this,

ideas of famous historian Yuval Noah Harari can be borrowed. Yuval Harari in his 'Sapiens'

note that human civilisation thrives because "homosapiens have the unique ability to put forth their tribes' interests over their own."

Hence, logic and knowledge for self interests shall lead to anarchy and catastrophe, but the one that pursues ideas for collective wellbeing shall fulfill the dream of Ambedkar!

Having dealt with a series of questions, one would realise how hungry human mind has been! Interestingly it took millions of years for homosapiens to walk straight but few decades to bend the environment at their own will. Crediting the 'logical mind' for the tremendous explorations, inventions and

discoveries, across space, water and land, one cannot miss out on the vagaries of pollution, biodiversity loss and climate change such logical mind has created.

It is after years of destruction, it hits upon the same mind to use its logic for sustainable development, a concept alien to mankind a few decades back.

The success of Montreal Protocol and India's adherence to 'Panchamrit' is the testament to use the logical and knowledge based mind for a brighter and healthier environment.

THE DYNAMISM OF LOGOS & LOGIC - TO BLEED
PUT BANDAGE ON THE BLEEDING HAND

The rise of empires - in its various forms, monarchy, anarchy, oligarchy and democracy is a tale of fascination.

But inherent to such fascination lies the ability to mould human logic, brain and rationality in the realms of sociopolitical revolution.

Monarchy across the world has been transformed to democracy, or at least been more representative and welfare-oriented.

Logic of political sovereignty has metamorphosed from territorial expansion to mutual coexistence. Although interstate

border disputes as seen in North East insurgencies or the havoc created by Russia-Ukraine crisis have risen, but global consensus for peace has been established.

Not just in the case of political supremacy, but the way such authority is practised, the logic of the same has seen

metamorphosis. Michael Foucault, a famous political scientist note that the modern liberal democracies have changed their focus from repressive laws to reformative laws. The transformation from guillotine to empathetic jurisdiction as illustrated in Bachan Singh vs state of Punjab regarding death penalty marks the transition from all logical mind to an ethics-based logical mind.

Similar to the ideas of capital punishment, the resourceful mind has tried to make the mind more inclusive. Once faced with criminal persecution, today homosexuality is celebrated, although slowly but steadily. Regressive logic and knowledge about women and genders has seen a

decline. In Sucheta Srivastava case for bodily integrity, State of Haryana vs Rajesh against

two fingers test and NALSA vs Union of India

for transgender rights, Indian judiciary

has used its logical prowess and mastered

the rationality for social transformation.

UTILIZING THE ALL LOGIC MIND - CONTEMPORARY

RELEVANCE

Karl Popper, a famous sociologist note that 'Open society is not about creating a utopia, or Workers' Paradise or City of God,

but it is about using our powers to solve issues while restoring our rights & responsibilities'

The all logic mind needs to be the forerunner

of such openness to imbibe diversity in

views and ideologies. The lack of the same

has created hostile outcomes in the form of religious fundamentalism, ethnic violence and extreme polarisation. Secondly, as

Albert Camus notes that 'a mind without ethics is a wild beast left loose in the world';

the knowledge shall be utilised to create an ethical and egalitarian world. The resourceful mind shall follow the ideals of

'Panchsheel' and not the greed of Aurangzeb.

Thirdly, the all logic mind must cater to the collective goals of the society.

As Vishwaguru Rabindra Nath Tagore notes, it is

not "Alexander who conquered the world, but Buddha did"! Selflessness as a virtue has to

be an inherent attribute to realise the true potential of the human logical mind. The

false obituary of Alfred Nobel made him realise

what his logical prowess was capable to do, something the world must realise to restore ethical

order in the civilisation.

खण्ड - B / SECTION - B

उम्मीदवारों को
इस कक्ष में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

5. बुद्धिमान व्यक्ति तुरंत वही करता है जो मूर्ख अंततः करता है।
The wise man does at once what the fool does finally.
6. दुनिया उन लोगों के लिए एक त्रासदी है जो महसूस करते हैं, लेकिन उन लोगों के लिए एक कॉमेडी है जो विचार करते हैं।
The world is a tragedy to those who feel, but a comedy to those who think.
7. पूर्ण स्पष्टता से बुद्धि को तो लाभ होगा लेकिन इच्छाशक्ति को क्षति पहुंचेगी।
Perfect clarity would profit the intellect but damage the will.
8. अपना चेहरा रोशनी की ओर रखिए और आपको कोई छाया दिखाई नहीं देगी।
Keep your face to the sunshine and you cannot see a shadow.

8. Keep your face to the sunshine and you cannot see a shadow

In the tapestry of human ~~stories~~ history, there are few stories as poignant and stirring as of two brothers - Orville and Wilbur. The Wright Brothers represent the indomitable spirits of perseverance and profound dedication to achieve their goal. "Don't waste all the money and leave flying to the birds", entire world including their own father

laughed and mocked such endeavours, but Orville & Wilbur would reply 'we have a dream to fulfill and we can make it!'

The tale of such grit and glory embodies one's dedication to relentlessly work to achieve the goal - keeping one's face to the sunshine and not worry for the shadow!

Stories as inspiring as Wright Brothers' are the outcome of Swami Vivekananda's ideas where he illustrates,

"arise, awake and stop not till the goal is achieved!" Keeping your face to the

sunshine is the epitome of being focused to achieve the goal, inspite of multitude of problems - heat and warmth, and relentlessly persevere to succeed. Shadows and sunshine are the two sides of the same coin, similar

to failures and successes. Our existence lies on the bedrock of such twin tale of glory and grief; the glory emanating from keeping our face to the sunshine and grief from our obsession of being stuck with the shadow.

WHAT IT TAKES TO FACE THE SUNSHINE AND EVADE SHADOW?

After being released from the prison after decades, when Nelson Mandela was asked what kept him going, he quoted few lines from the poem 'Invictus' that iterates, "I am the master of my fate, I am the captain of my soul." Mandela's indomitable spirit signifies the importance of self confidence and courage, that later

was illustrated in his attempts to create an egalitarian South Africa through his Truth and Reconciliation Commission of 1990s

Secondly, desires drive actions as exemplified ~~in~~ through the annals of history in various sociopolitical contexts. The revolutionaries during India's freedom struggle embodied true spirit of patriotism with a desire to free Bharat mata from the shackles of colonial domination. Had Bhagat Singh, Chandrashekhar Azad and Ramprasad Bismil cared about the shadows and repercussions of their spirit of keeping their face to sunshine, India would have continued to bleed and suffer.

Courage and desire act as the fuel in the journey towards achieving the goal,

the third most important attribute of perseverance keeps the boat of morale sailing higher. The relentless efforts of Lee Kuan Yew in building the tech-savvy and egalitarian Singapore is an Oscar eligible movie of rags to riches. Individual efforts in aceing an exam or a country like India's efforts in sustaining unity amidst diversity is the outcome of profound perseverance.

In the words of Winston Churchill,
"no success is final, no failure is fatal,
it is the courage to continue that matters".

The fourth most inevitable ethos to succeed lies in handling failures and fatalities while keeping your face towards the sunshine. India could not have been more proud

When a teenager, Arani Lekhara became the first Indian woman to achieve a gold medal at Paralympics 2020 in Tokyo. Having lost her legs to a hazardous car accident on her way to a dance performance, Lekhara's spirits did not dwindle even after such tragedy. Keeping the shadow away while facing the sunshine made India proud with Arani's glory!

The courage, desire, perseverance to keep facing the sun gets embodied in few lines of Paulo Coelho as he writes in his 'The Alchemist' - "once you determine and work hard to achieve a goal, the entire universe conspires to make you realise the achievement!"

To comprehend the nuances of the importance of keeping our face towards sunshine

and how such relentless efforts keep shadow
at bay, one must contextualise in various
social, economic, political and philosophical
milieu across the breadth & width of time.

KEEPING THE FACE TOWARDS SUNSHINE - A CONTEMPORARY REALITY CHECK

The relentless efforts at Swat
valley in Pakistan and at heartlands of
India were acknowledged at the global
platform where the world bowed down to
the spirit of Malala Yousufzai and Kailash
Satyarathi. Yousufzai and Satyarathi did
not represent two nations, infamous for
being in political conflict with each other,
but represented the true ideals of human
spirit, one for women empowerment and
other for childcare and rehabilitation.

Such efforts to head towards the sunshine were not dampened by the guns of Talibans or muscle powers of Indian goons, the shadow was safely kept at bay by the grit to achieve the egalitarian goal.

Similar is a story of Niyamgiri Hills of Odisha, where tribals, especially women collectively stood for their rights and resources. The dedication to stand against mighty POSCO, the steel giant and crony capitalism is a business school case study of success and glory.

Traversing all the way from the eastern part of the country, let us delve into the story of Thumba in November 1963. The humble beginnings of ISRO amidst the coconut groves of Thumba, a small coastal town of

Kerala must have aspired for larger milestones, as the ones where India patted its back on the success of Chandrayaan - 3. Despite of financial bottlenecks, administrative delays and infrastructural shortcomings, ISRO's spirit and perseverance realises the true ideals of keeping our heads high towards sunshine. The shadows shall evade, slowly but surely.

Highlighting this success of Chandrayaan 3, Devdutt Pattanaik, famous historian notes that "Soma or Chandra symbolises the fact that it waxes after being waned, resurrects after being crippled down and rises after being collapsed". Not just moon, but temples, culture, democracy and civil society have risen after decay and death. Shadows

are temporary, but the grit to keep your face towards the sunshine makes one extraordinary and triumphant.

AMIDST SUNSHINE, DON'T FORGET THE INEVITABILITY OF SHADOW

Oppenheimer, the brain behind the nuclear bomb was a scientific ideal to be cherished by the intellectual community.

But the multiple generations of Nagasaki and Hiroshima shall deny such claims, probably why Christopher Nolan's recent blockbuster biopic on Oppenheimer did not release in Japan.

From Hitler to Martin Luther, from Phulan Devi to Annie Besant, Nirav Modi to Ratan Tata, for right or wrong reasons, such personalities have gathered attention of history. But one must be cautious about

the shadows, in the form of one's cause & consequence of actions to ~~seeing~~ re-engineer his/her ideals of goals. Without the shadow of fear, the nuclear and space race of political powers can lead to the end of the civilisation. The shadow of failure inspired Elon Musk to continue to persevere to build Space-X and achieve the extraordinary.

History is resplendent with such anecdotes where humans have been taught to be cognizant about their actions during their pursuit of success and glory. One needs to understand that while both Mugabe and Mandela strived for their nation's glory, the former chose a path of violence and racial attack on whites but the latter is cherished for his ideals of forgiveness and non-violence.

Human civilisation is attacked with a pertinent question, what shall we keep our face towards sunshine for? Is it to achieve scientific prowess, master the ideals of innovation, triumph political sovereignty or achieve economic growth?

The answer to such conundrum is to achieve everything mentioned, as Wright Brothers did through technological prowess. The dichotomous answer is also valid that advocates that the goal is to achieve none, as exemplified in the efforts of Wright Brothers to gift humanity with an invention that makes the world a better place - for travellers, business, farmers and patients.

The essence remains the same, the ideals of 'keep going' with committed adherence to achieve the goal is inevitable. The shadows shall evade away, but they must remind one the purpose behind keeping the face towards sunshine!

SPACE FOR ROUGH WORK

- onillo & william

It is easy to build also

A mind all logic is like

Alfred Nobel → King of dynamite

Aristotle → Ethos
→ Pathos
→ Logos.

Warren Buffet → Intellect
→ Greed
→ Integrity.

Adam Smith → wealth of Nations.

Political → Mugabe
↳ Nelson Mandela.

Pure
North Korea

Ecology → bend ∞ ∞ ∞

Social → women ————— Punushashukta

↳ Superstition
↳ homo

② How logic change → homosexual
→ punishment
→ prostitution

Scientific

Logic is needed
→ Israel & South Korea.
→ Nuclear power
→ Space
→ Technology

SPACE FOR ROUGH WORK

Keep your face

- Onille & Wilbur
- Neeraj Chopra



① What does mean

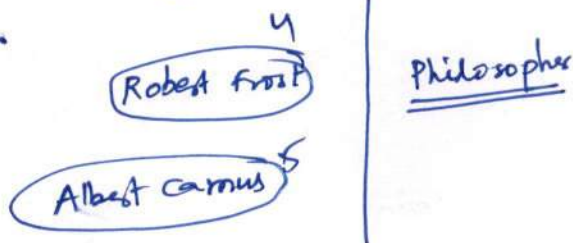
- desire
- hardwork
- perseverance

② What it takes



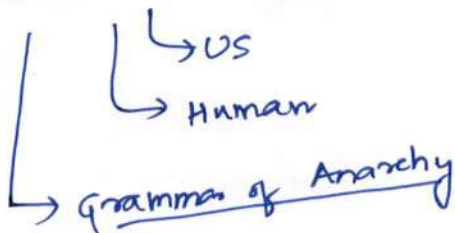
③

- Greta Thunberg - Environment
- Malala - Politics
- Elon Musk - Scientific



④ Detrimental

- Alfred Nobel
- Oppenheimer



⑤ Relevance

- Innovation
- Social mobility

